

Dr. Ram Singh
Dept of Psychology
Mehala College & Deemed to be Univ
Dehra

LEADERSHIP

DIFFERENCES BETWEEN AUTHORITARIAN AND DEMOCRATIC LEADERSHIP

समवादी नेतृत्व

समवादी नेतृत्व कहे इस जाति के जो अपने सख्त में सब-सबों नेतृत्व है। इस तरह के नेतृत्व सख्त के नीतियों का निर्माण स्वयं करता है और सख्त को मौजगाह को पद में बनाता है वह सख्त के नीचे सबों का परवाह को मनमाने का है प्रतीत है। वह अपने सख्त को पर छोड़ निर्धारणी करता है और कहे अपनी इच्छा के अनुसार इच्छा प्रकट करने के लिए इस प्रकार के नेतृत्व में नेतृत्व के कर्त्तव्य बूझने सदस्यों को सख्त के कार्य करने की जानकारी नहीं रहती है नेतृत्व द्वारा सदस्यों के बीच साक्षात् सम्पर्क को नहीं रहता है। इसके नेतृत्व अपने सख्त के सदस्यों के सम्पर्क के सम्पर्क को निर्धारण ही करे है। यह केवल अपने सख्त के सदस्यों के पास करने के प्रयास में नहीं रहते हैं।

प्राजासत्तािक नेतृत्व

नेतृत्व कहे इस जाति के जो सख्त के सुझाव का प्रतिनिधि होता है और सदस्य अभिप्राय होता है इसके नेतृत्व सख्त के सदस्यों के बीच सम्पर्क के सहयोग से नीतियों तथा मौजगाहों का निर्माण करता है और अपने सदस्यों के बीच सम्पर्क को सुधारने का हितसाध प्रयास करते हैं। ये अपने

2

समूह के कार्य के सही सदस्यों के बीच और
दूसरे ही पहले नेता तथा सदस्यों के बीच सही
संबंध रहना ही इसमें उन सदस्यों का निर्माण
बहुत कम होता है।

1

समाजवादी नेता एवं प्रजासत्ताक
नैतिकता के परिचित उपयोग करना है कायाकाल
इसके बीच कुछ मुख्य कार्य भी स्पष्ट
होते हैं जो निम्नलिखित हैं
समाजवादी नेता में निरपेक्ष शक्ति अधिक
होती है वह समूह में नीतियों तथा योजनाओं
के निर्माण में प्रबलता रखता है इसके विपरीत
प्रजासत्ताक नेता में सापेक्ष शक्ति अधिक होती है
यहाँ नेता अपने समूह के लिए नीतियों तथा
योजनाओं का निर्माण सफल ही करता है
अनुसार करता है।

2

समाजवादी नेतृत्व में अधिकारी का केन्द्रित रूप
देखा जाता है नेता ही अपने समूह के लक्ष्यों
को प्राप्त करने के साधनों को निर्धारित करता
है निम्न प्रजासत्ताक में नेतृत्व में
अधिकारी का विकेंद्रित रूप देखा जाता है
प्रजासत्ताक नेता समूह लक्ष्य का निर्माण
सदस्यों से साथ प्रभावित होता है।

3

समाजवादी नेता कार्य-अभिमुख होते हैं वह
सदस्यों के सम्मान की अपेक्षा समूह के
कार्य पर अधिक बल देता है वह किसी भी
विषय पर समूह के लक्ष्य को प्राप्त करना

गणतन्त्र का मूलभूत सिद्धांत है कि प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्राप्त हैं।

(ii) राजावादी नैतिक के साथ सफर में एक सफल प्रयत्न नहीं होता है।

(iii) राजावादी नैतिक के साथ सफर में एक सफल प्रयत्न नहीं होता है।

(iv) राजावादी नैतिक के साथ सफर में एक सफल प्रयत्न नहीं होता है।

(v) राजावादी नैतिक के साथ सफर में एक सफल प्रयत्न नहीं होता है।

(4)

में व्यवस्थापन प्रकाश जाता है।
 (iii) समावादी समूह का मनीवम नीचा होता है प्रती
 इसे प्रकाश उपसमूह विचलित हो जाते हैं प्रती
 सदस्यों में प्रती की आवश्यकता अधिक होती है
 मॉडर्न प्रजातंत्रिक समूह में मनीवम उच्च होता है
 सदस्यों में इस की आवश्यकता अधिक होती है प्रती
 समूह तथा नेता के प्रति अनुक्रम मनीवम रखते
 हैं।

(x) समावादी नेता सदस्यों में प्रेरणा उत्पन्न करने पर
 शासन करता है प्रती सदस्यों के बीच आप-आप
 वक्तव्य रखते हैं प्रती प्रकाश करता है प्रती
 विपरीत मॉडर्न प्रजातंत्रिक नेता सदस्यों के बीच -
 भाव को प्रियता तथा प्रेम-मिलान की
 बढाते हैं प्रती प्रकाश करता है प्रती

(x) समावादी समूह की प्रभावशीलता सीमित होती है
 सदस्यों में संतुष्टि का अभाव होता है उनका मनीवम
 गिरा होता है। मॉडर्न प्रजातंत्रिक समूह की
 प्रभावशीलता अधिक होती है। सदस्यों में संतुष्टि
 अधिक होता है।

अतः समावादी नेता तथा प्रजातंत्रिक
 नेता के बीच एक मुख्य अंतर है जिसका
 वर्णन उपरोक्त पारिभाषिकों में किया गया है।